महात्मा ज्योतिबा फुले
रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

राजकीय महिला महाविद्यालय, बदायूँ (उ०प्र०)

सम्बद्ध- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

अन्तरराष्ट्रीय वैबिनार (संगोष्ठी)

दिनांकः- 05 जून 2020

समय अपरान्ह 12:00 से 02:00 बजे तक

विषय

''वैश्वीकरण और हिन्दी''

स्थापित 2016 बदायूँ

।। ज्ञानम् सर्वजनहिताय ।।

आयोजक

हिन्दी विभाग
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ०प्र०)

Website- www.gmdcbadaun.com
Email- gmcbadaun2016@gmail.com

पंजीकरण एवं प्रतिभाग हेतु आमंत्रण

Click Here for Registration

Click here for Webinar will be Live on You Tube

महाविद्यालय का सूक्ष्म परिचय

इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2016 में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी शिक्षा को केन्द्रित करते हुए की गयी। महाविद्यालय शहर के मध्य स्थित है जो छात्राओं के लिये अत्यन्त सुगम्य है। उत्तम चरित्र व नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करते हुए एक जिम्मेदार आत्मनिर्भर सशक्त महिला बनाने का संकल्प लेकर महाविद्यालय अपनी छात्राओं को दिन प्रतिदिन आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में प्रयत्नशील है। वर्तमान में कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों संकायों में लगभग एक हजार छात्राएं अध्ययनरत हैं जो शहर एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आकर ज्ञानार्जन कर रही हैं। महाविद्यालय अभी शिशु अवस्था में ही है परन्तु विद्वान प्राध्यापकों, परिश्रमी कार्यालय एवं युवा छात्र शक्ति के साथ हम एक एक कदम आगे बढ़ रहे हैं, साहित्य, कला संगीत एवं संस्कृति को प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी से जोड़ते हुए महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नये आयाम स्थापित करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना, रेन्जर्स आदि के माध्यम से छात्राएं पर्यावरण, स्वास्थ, शिक्षा, मानवाधिकार जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं के प्रति जन जागरूकता का कार्य भी सफलता पूर्वक कर रही हैं।

संगोष्ठी संदर्भ

वैश्वीकरण के इस दौर में जहाँ सम्मपूर्ण विश्व एक बाजार के रूप में सिमट गया है, विश्व अर्थव्यवस्था में आये इस आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक एकीकरण के विस्तार से सभी देश उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में एक दूसरे के साथ समन्वय की भावना से सहयोग स्थापित कर रहे हैं, ऐसे में जब भारत विश्व पटल पर आर्थिक रूप से मजबूत देश के रूप में अपना परचम फैला रहा है। हिन्दी का विकास दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।

आज का बाजार अपने व्यापार को समृद्ध बनाने के लिए अपनी भाषा और संस्कृति को बखूबी रूप से प्रचारित कर रहा है, परन्तु सबसे दुःखद पहलू यह है कि हमारे देश की राजभाषा हिन्दी से जनमानस के प्रेम, वेदना, विद्रोह एवं चेतना से अभिभूत है कहीं न कहीं शिक्षा, ज्ञान विज्ञान की भाषा नहीं बन पा रही है। हमारे देश का युवा वर्ग हिन्दी की ओर आकर्षित नही हो रहा क्योंकि हमारी उच्च शिक्षा में हिन्दी शून्य के बराबर स्थान पर स्थापित है।

हमारे उच्च शिक्षण संस्थान जैसे चिकित्सा सूचना प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी जैसी शिक्षण पद्धतियों का माध्यम अंग्रेजी है जबकि किसी भी विकसित था विकासशील देश की शिक्षण पद्धति उनकी अपनी भाषा में है। किसी भी विषय वस्तु को व्यक्ति अपनी भाषा में जितने सरल और सहज ढ़ग से समझ सकता है उतना अन्य किसी भाषा में नहीं क्योंकि भाषा व्यक्ति के भाव की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है भाषा के माध्यम से संस्कृति, साहित्य, इतिहास, समाज, राष्ट्र के प्रत्येक पहलू की जानकारी प्राप्त की जा सकती है इसलिए आज इक्सीसवीं शताब्दी में भाषा को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित करने के लिए विद्धतजन का आपस में विचार विमर्श करना अति आवश्यक है।

संगोष्ठी के उपविषय

- वसुधैव कुटुम्बकम् को कर्थाथ में परिवर्तित करने में संचार और संवाद की भाषा हिन्दी।
- तकनीकी क्रान्ति में हिन्दी का योगदान।
- चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी की बढ़ती अनिवार्यता।
- रंगमंच की दुनिया में हिन्दी का स्थान।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी के बढ़ते कदम।
- भारतीय संस्कृति कला और साहित्य को जन जन तक पहुंचाने में हिन्दी की भूमिका।

संगोष्ठी की रूपरेखा

12:00	-	प्रारम्भ
12:10 से 12:20	-	उद्घाटन- प्राचार्य का सम्बोधन
12:20 से 12:30	-	संयोजक का सम्बोधन
12:35 से 01:00	-	डॉ0 प्रो0 आनन्द वर्धन शर्मा, मुख्य वक्ता
01:00 से 01:20	-	डॉ0 सुरेश चन्द्र शुक्ला, मुख्य वक्ता
01:20 से 01:40	-	प्रो0 उमापति दिक्षित, मुख्य वक्ता
01:40 से 02:00	-	डॉ0 विवेकमणि त्रिपाठी, मुख्य वक्ता
02:00	-	समापन

संरक्षक:
डॉ0 वन्दना शर्मा
शिक्षा निदेशक (उ0शि0)
प्रयागराज

अध्यक्ष:
डॉ0 स्मिता जैन, प्राचार्या
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

संयोजक:
डॉ0 वन्दना
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (हिन्दी)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

संयोजन सचिव:
डॉ0 मनीषा राव
एसोसिएट प्रोफेसर (गृहविज्ञान)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

संयोजक समिति सदस्य

डॉ0 मनोज कुमार
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (वाणिज्य)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

डॉ0 अम्बा प्रसाद
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भौतिक विज्ञान)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

डॉ0 राजधन
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (अंग्रेजी)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ0प्र0)

श्रीमती मनीषा भूषण
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (समाजशास्त्र)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ०प्र०)

डॉ० भगवान सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर (गणित)
राजकीय महिला महाविद्यालय
बदायूँ(उ०प्र०)

तकनीकी प्रभारी

श्री रोहित कुमार

कु० अफसाना खातून

मुख्य वक्ता

प्रो० आनंद वर्धन शर्मा
विजिटिंग प्रोफेसर भारत विद्या विभाग
सोफिया विश्वविद्यालय, सोफिया
बुल्गेरिया

प्रो० उमापति दिक्षित
विभागाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
आगरा

डॉ० सुरेश चन्द्र शुक्ल
प्रवासी साहित्यकार
नार्वे

डॉ० विवेक मणि त्रिपाठी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर-हिन्दी
एशियाई तथा अफ्रीकी भाषा व संस्कृति संकाय
क्वान्ग्तोंग विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, चीन